Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 22-03-2005
Participants : Singh Shri Lakshman,Maheshwari Smt. Kiran

>

Title: Need to tap the potential of non-conventional energy sources.

श्री लक्ष्मण सिंह (राजगढ़) : अध्यक्ष महोदय, हमारे देश में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की क्षमता और उत्पादन में भारी अंतर है। 21वीं सदी में भी हमें कच्चे तेल पर ही निर्भर रहना होगा। इसलिए यह आवश्यक है कि हमारे देश में हम अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दें। विश्व में जो तापमान बढ़ रहा है, ग्लोबल वार्मिंग हो रही है, उसका मुख्य कारण फॉसिल फ्यूल जनरेशन सिस्टम और ग्रीनहाउस गैस ऐमिशन है। क्यूटो प्रोटोकॉल में हमारे देश ने इस पर हस्ताक्षर भी किये हैं और हम इसके प्रति वचनबद्ध हैं।

अध्यक्ष महोदय, 2003 में इलैक्ट्रिसिटी एक्ट पास हुआ है और उसमें प्रावधान था कि अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जाएगा। पूर्व सरकार ने देश के 357 जिलों में एनर्जी पार्क स्थापित करने की योजना बनाई थी। इन एनर्जी पार्कों की स्थापना कृाि विज्ञान केन्द्रों में होनी थी जिसकी फंडिंग आईसीएआर के माध्यम से होनी है। मुझे बड़ा दुख हुआ कि वित्त मंत्री जी जो सैन्सैक्स मंत्री भी कहे जाते हैं, उन्होंने इस बारे में कोई चर्चा अपने बजट भााण में नहीं की और लगता है कि सरकार इसके बारे में गंभीर नहीं है। मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप वित्त मंत्री जी को आदेश दें कि देश के 357 पिछड़े जिलों

में जो एनर्जी पार्कों की स्थापना करनी है, उसके लिए पर्याप्त धनराशि दें जिससे हमारे देश में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का उत्पादन बढ़े। धन्य वÉÉn[h15]।

श्रीमती किरण माहेश्वरी (उदयपुर) : मैं भी अपने आपको इस बिल से एसोशिएट करती हूं ।